वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2014 - 2015

Har Kadam
aap ke Saath

इलाहाबाद बैंक
विश्वास की परंपरा

ALLAHABAD BANK
A tradition of trust

www.allahabadbank.in

इलाहाबाद बैंक
ALLAHABAD BANK

प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001
HEAD OFFICE: 2, NETAJI SUBHAS ROAD, KOLKATA- 700 001
www.allahabadbank.in

वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2014-15

विषय-सूची / contents

	पृष्ठ सं. / Page No.
• निदेशकों, लेखापरीक्षकों आदि की सूची/ List of Directors, Auditors etc.	02
• अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य/ Chairman & Managing Director's Statement	03-08
• बैंक के निदेशकों की रिपोर्ट/ Directors' Report of the Bank	09-29
• बासेल - III प्रकटीकरण/ Basel - III Disclosures	30-83
• कारपोरेट गवर्नेन्स पर रिपोर्ट/ Report on Corporate Governance	84-110
• कारपोरेट गवर्नेन्स पर लेखापरीक्षकों का प्रमाणपत्र/ Auditors' Certificate on Corporate Governance	111
• सूचीबद्धता करार के खंड 49 (IX) के अनुसरण में प्रमाणपत्र/ Certificate Pursuant to clause 49(IX) of the Listing Agreement	112-113
• बैंक के वित्तीय विवरण/ Financial Statements of the Bank	114-165
• बैंक के लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट/ Auditors' Report of the Bank	166-167
• समेकित वित्तीय विवरण/ Consolidated Financial Statements	168-201
• समेकित वित्तीय विवरण पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट/ Auditors' Report on Consolidated Financial Statements	202-205
• ऑलबैंक फाइनैन्स लि. के निदेशकों की रिपोर्ट/ Directors' Report of AllBank Finance Ltd.	206-211
• ऑलबैंक फाइनैन्स लि. के लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट/ Auditors' Report of AllBank Finance Ltd.	212-216
• ऑलबैंक फाइनैन्स लि. के वित्तीय विवरण/ Financial Statements of AllBank Finance Ltd.	217-238
• ईसीएस मैंडेट हेतु फार्म/ Form for ECS mandate	239-240

इलाहाबाद बैंक
ALLAHABAD BANK

प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001

HEAD OFFICE: 2, NETAJI SUBHAS ROAD, KOLKATA- 700 001

निदेशक मंडल/BOARD OF DIRECTORS (यथास्थिति/AS ON 31.03.2015)

1.	श्री राकेश सेठी Shri Rakesh Sethi	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक Chairman and Managing Director
2.	श्री जे. के. सिंह खर्ब Shri J. K. Singh Kharb	कार्यपालक निदेशक Executive Director
3.	श्री एन. के. साहू Shri N. K. Sahoo	कार्यपालक निदेशक Executive Director
4.	डॉ. शशांक सक्सेना Dr. Shashank Saksena	सरकार द्वारा नामित निदेशक Government Nominee Director
5.	श्री ए. उदगाता Shri A. Udgata	भा.रि.बैंक द्वारा नामित निदेशक RBI Nominee Director
6.	श्री संजीव कुमार शर्मा Shri Sanjeev Kumar Sharma	सनदी लेखाकार नामित निदेशक Chartered Accountant Nominee Director
7.	श्री अजय शुक्ला Shri Ajay Shukla	अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक Part Time Non Official Director
8.	श्री वाई. पी. सिंह Shri Y. P. Singh	कामगार कर्मचारी निदेशक Workmen Employee Director
9.	डॉ. बिजय कुमार साहू Dr. Bijaya Kumar Sahoo	शेयरधारक निदेशक Shareholders' Director
10.	श्री सारथ सूरा Shri Sarath Sura	शेयरधारक निदेशक Shareholders' Director
11.	श्री परवीन कुमार छोकरा Shri Parveen Kumar Chhokra	शेयरधारक निदेशक Shareholders' Director

लेखा-परीक्षक/AUDITORS

1.	मे० बाटलीबाय एंड पुरोहित M/s Batliboi & Purohit	सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*
2.	मे० खंडेलवाल ककानी एंड कं. M/s Khandelwal Kakani & Co.	सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*
3.	मे० रघु नाथ राय एंड कं. M/s Raghu Nath Rai & Co.	सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*
4.	मे० सरथ एंड एसोसिएट M/s Sarath & Associates	सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*
5.	मे० एन. सी. बनर्जी एंड कं. M/s N. C. Banerjee & Co.	सनदी लेखाकार *Chartered Accountants*

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट/REGISTRAR & SHARE TRANSFER AGENT

मे० एमसीएस लिमिटेड (यूनिट:-इलाहाबाद बैंक)
77/2ए, हाजरा रोड
कोलकाता-700 029
टेलीफोन : 033-40724051-54,
फैक्स : 033-24541961/40724050
ई-मेल : mcskol@rediffmail.com
Website : www.mcsdel.com

M/s MCS LTD. (Unit:- Allahabad Bank)
77/2A, Hazra Road,
Kolkata-700 029
Tel : 033-40724051-54
Fax : 033-24541961/40724050
Email : mcskol@rediffmail.com
Website : www.mcsdel.com

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

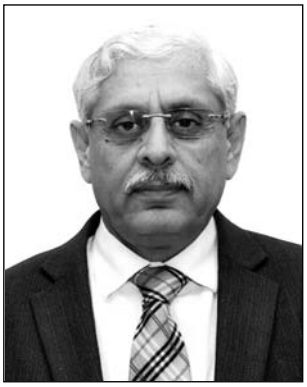

प्रिय शेयरधारको,

आपके बैंक का वित्तीय वर्ष 2014-15 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना मेरा सौभाग्य है। सर्वप्रथम, मैं अपने प्रत्येक शेयरधारक के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जो इतने वर्षों से अपना अनवरत समर्थन देते रहे हैं।

आपके बैंक की कार्यनिष्पादन विशिष्टिताएं प्रस्तुत करने से पूर्व, मैं वर्ष के दौरान व्याप्त समष्टि आर्थिक परिवेशों के बारे में संक्षेप में बताना चाहूंगा, क्योंकि, बैंकिंग क्षेत्र के कार्यनिष्पादन में इसके गहरे निहितार्थ थे।

1. वैश्विक अर्थव्यवस्था :

तेल की कीमतों के बारे में बड़ी अनिश्चितता और कीमतों में कमी लाने वाली अंतर्निहित शक्तियों ने वैश्विक विकास की संभावनाओं में नए जोखिम आयाम जोड़ दिए। उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएं विशेष रूप से उद्घाटित हुई; क्योंकि वे प्रतिगामी पूंजी प्रवाह का सामना कर सकीं। भौगोलिक-राजनीतिक जोखिम उच्च बने रहने की संभावना है, हालाँकि पर्याप्त निवल आपूर्ति प्रवाह को देखते हुए वैश्विक तेल बाजार में विघटन से संबंधित जोखिम में कमी आई है। अधिकांश उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में उत्पादन अंतराल अभी भी काफी है, मुद्रास्फीति लक्ष्य से कम है और मौद्रिक नीति बाध्य बनी हुई। उन्नत और उभरते बाजार जैसी अनेक अर्थव्यवस्थाओं में संरचनात्मक सुधार करने की तत्काल आवश्यकता है जबकि समष्टि आर्थिक नीति की आवश्यकता भिन्न है।

2. भारतीय अर्थव्यवस्था :

सीएसओ द्वारा राष्ट्रीय आय के संशोधित प्राक्कलनों में इंगित भारतीय अर्थव्यवस्था का पुनरुत्थान 2013-14 में आरंभ हो गया था। 2014-15 में इसमें और तेजी आई, जो मुख्यतः सेवा क्षेत्र द्वारा प्रेरित था। दोहरे घाटे - चालू घाटा और राजकोषीय घाटा - के कम होने और विदेशी मुद्रा भंडार की भरपाई और अस्फीतिकारी प्रेरणाओं से सन्निकट समष्टि अस्थिरता कम हो गई। तथापि, यह आर्थिक पुनरुत्थान सुनिश्चित करने हेतु स्वयं में केवल एक आवश्यकता है न कि पर्याप्त परिस्थिति। वृद्धि प्राप्त करने के उद्देश्य से संरचनात्मक बाधाओं को दूर करना, व्यावसायिक विश्वास पैदा करना और निवेशकों की जरूरतों को समर्थन देने हेतु वित्तीय गुंजाईश पैदा करने की आवश्यकता है।

जबकि वैश्विक परिवेश चुनौतीपूर्ण बना रहा, भारत में नीतिगत कार्रवाई ने यूएस में मौद्रिक नीति के सामान्य होने से होने वाली संभावित गिरावट के सापेक्ष उपाय के रूप में बफर्स को पुनर्निर्मित किया है। इन बफर्स ने हाल की गिरावटों में भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रभावी ढंग से मजबूती प्रदान की है। सरकार द्वारा किए गए अनेक सुधारात्मक उपायों से, अल्पावधि में, भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी। मुद्रास्फीति में जारी मंदी से अतिरिक्त प्रेरणा मिलेगी क्योंकि, इससे परिवारों की खर्च करने की शक्ति में इजाफा होगा और इससे उपभोग और वृद्धि में तेजी आएगी। मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण मौद्रिक नीति में संभावित नरमी ब्याज संवेदी क्षेत्रों में खर्च करने हेतु परिवारों को उत्साहित करने और फर्मों का ऋण भार कम करने और उनके तुलनपत्रों को मजबूत करने, दोनों के द्वारा, वृद्धि हेतु नीतिगत समर्थन प्रदान करेगा।

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

Dear Shareholders,

It is my privilege to present the Annual Report for the Financial Year (FY) 2014-15, of your Bank. At the outset, I take the opportunity to express a deep sense of gratitude to each of our esteemed shareholders for their unstinted support which you have been extending to us over the years.

Before, I present the performance highlights of your Bank, I would like to enumerate briefly upon the macro-economic environments that prevailed during the year as it had strong implications on the banking sector's performance.

1. Global Economy :

Sizeable uncertainty about the oil price path and the underlying drivers of the price decline have added a new risk dimension to the global growth outlook. Emerging market economies are particularly exposed; as they could face a reversal capital flows. Geopolitical risks are expected to remain high, although related risks of global oil market disruptions have been downgraded in view of ample net flow supply. In most advanced economies, output gaps are still substantial, inflation is below target, and monetary policy remains constrained. There is an urgent need for structural reforms in many economies, advanced and emerging market alike, while requirement of macroeconomic policy differs.

2. Indian Economy :

Revival of Indian economy as pointed out in the revised estimates of national income by CSO had started in 2013-14. It gained further momentum in 2014-15 and was mainly driven by the services sector. With the narrowing of the twin deficits-current account and fiscal as well as replenishment of foreign exchange reserves and disinflationary impulses, the risks of near-term macro instability have diminished. However, this in itself constitutes only a necessary, but not a sufficient condition for ensuring economic recovery. Removing structural impediments, building business confidence and creating fiscal space to support investments needs to be addressed in order to secure growth.

While the global environment remains challenging, policy action in India has rebuilt buffers to cushion it against possible spillovers from normalization of monetary policy in the US. These buffers have effectively insulated the Indian economy against the recent spillovers. In the short run, growth will receive a boost from the number of reform measures undertaken by the government. A further impetus will be provided by ongoing moderation in inflation as this will add spending power to households and thereby, boosting consumption and growth. The likely easing in monetary policy due to declining inflation will provide policy support for growth both by encouraging household spending in interest-sensitive sectors and reducing debt burden of firms and strengthening their balance sheets.

3. बैंकिंग

बैंक देश की वित्तीय प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसलिए आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने का दायित्व निभाता है। इस समय हमारी बैंकिंग प्रणाली अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण चुनौतियों से जूझ रही है, अर्थात - आस्ति गुणवत्ता, पूंजी पर्याप्तता, मानव संसाधन, जोखिम प्रबंधन, केवाईसी अनुपालन आदि। सतत आर्थिक मंदी के कारण आस्ति गुणवत्ता नकारात्मक रूप से प्रभावित हुई है। मार्च, 2015 हेतु भारिबैंक से प्राप्त प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के संबंध में जीएनपीए में 5.17% वृद्धि हुई जबकि दबावग्रस्त आस्तियों का अनुपात 13.2% रहा। हालाँकि वर्तमान में बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त पूंजी है, सीआरएआर धीरे-धीरे घट रहा है और मार्च 2015 के अंत में यह पिछले वर्ष के 13.01% के सापेक्ष 12.7% रहा।

3.1 बैंक का कार्यनिष्पादन

अब मैं वर्ष 2014-15 हेतु आपके बैंक की कार्यनिष्पादन विशिष्टताओं के बारे में बात करना चाहूंगा।

3.2 व्यवसाय वृद्धि

- ✓ मार्च 2015 को यथास्थिति बैंक का कुल व्यवसाय मार्च 2014 को यथास्थिति के ₹3,31,748 करोड़ के सापेक्ष वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 4.45% की वृद्धि दर्शाते हुए बढ़कर ₹3,46,519 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया।
- ✓ बैंक की कुल जमा राशियां वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 1.35 %की वृद्धि दर्शाते हुए एक वर्ष पूर्व के ₹1,90,843 करोड़ से बढ़कर ₹1,93,424 करोड़ हो गईं। सकल ऋण पिछले वर्ष के ₹1,40,905 करोड़ के सापेक्ष तेजी से बढ़कर ₹1,53,095 करोड़ हो गया। वर्ष -दर-वर्ष आधार पर इसमें 8.65% की वृद्धि हुई।
- ✓ 31 मार्च, 2015 को यथास्थिति बचत बैंक जमा ₹5228 करोड़ से बढ़ कर ₹55956 करोड़ हो गई, जो सकल जमाराशियों का 29.09% है। आपके बैंक ने कासा जमाराशियों के संग्रहण को महत्व दिया है और प्रतिदिन प्रतिशाखा द्वारा खोले गए बचत बैंक खातों पर विशेष बल दिया गया है।

3.3 लाभप्रदता

- ✓ वित्त वर्ष 15 के दौरान बैंक का परिचालन लाभ पिछले वर्ष के ₹4020 करोड़ के सापेक्ष वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 10.93% की वृद्धि दर्शाते हुए बढ़कर ₹4460 करोड़ हो गया।
- ✓ निवल लाभ पिछले वर्ष के ₹1172.02 करोड़ के सापेक्ष वित्त वर्ष 15 के दौरान वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 47.02% की ऋणात्मक वृद्धि दर्शाते हुए घटकर ₹620.90 करोड़ रह गया।
- ✓ 31मार्च, 2015 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान गैर-निधि गैर-ब्याज आय पिछले वर्ष के ₹1085 करोड़ के सापेक्ष ₹1137 करोड़ रही।
- ✓ लागत आय अनुपात वित्तीय वर्ष 2014 के 46.23% से घट कर वित्तीय वर्ष 2015 में 45.44% रह गया।
- ✓ निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) वित्तीय वर्ष 2014 के 2.75% के सापेक्ष 31मार्च, 2015 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान बढ़कर 3.10% हो गया।
- ✓ 31.03.2015 को यथास्थिति पूंजी पर्याप्तता अनुपात बासेल-II मानदंड के अंतर्गत 10.52% और बासेल-III मानदंड के अंतर्गत 10.45% रहा।

3. Banking :

A bank plays a key role in the country's financial system and therefore, carries the responsibility of supporting economic growth. At this juncture, our banking system is facing significant challenges from several quarters, viz., asset quality, capital adequacy, human resources, risk management, KYC compliance, etc. Asset quality has been affected negatively due to continued economic slowdown. As per preliminary data received at RBI for March 2015, GNPAs increased to 5.17% while the stressed assets ratio stood at 13.2% in respect of public sector banks. Though at present, the banking system is adequately capitalized, the CRAR has been steadily declining and as at the end of March 2015, it stood at 12.7% as against 13.01% last year.

3.1 Bank's Performance

I would now like to touch upon the highlights of you Bank's performance for the year 2014-15.

3.2 Business Growth

- ✓ Total business of your Bank reached a level of ₹346,519 crore as on 31st March 2015 from ₹331,748 crore as on 31st March 2014; showing a Y-o-Y growth of 4.45%.
- ✓ Total deposits of the Bank went up by 1.35% to ₹193424 Crore as on 31st March 2015 from ₹190843 Crore a year ago. Gross credit of the Bank surged to ₹153,095 crore from ₹140,905 crore last year. On a Y-o-Y basis, it increased by 8.65%.
- ✓ SB deposits grew by ₹5228 crores to ₹55956 Crore as on 31st March 2015, constituting 29.09 % of aggregate deposits. Your Bank gave importance to CASA deposits mobilization and special emphasis was given on Savings Bank A/c opened per branch per day.

3.3 Profitability

- ✓ Your Bank posted operating profit growth of 10.93% Y-o-Y during FY15 and increased to ₹4460 crore as against ₹4020 crore during the same period a year ago.
- ✓ Net profit of the Bank came down to ₹620.90 crore during FY15 as against ₹1172.02 crore last year, showing a negative growth of 47.02%.
- ✓ Non-Fund non-Interest Income of the Bank during financial year ended 31st March 2015 stood at ₹1137 crore as against ₹1085 crore last year.
- ✓ The Cost to Income Ratio came down from 46.23% in FY15 to 45.44% for the FY15.
- ✓ Net Interest Margin (NIM) improved to 3.10% during the financial year ended 31st March 2015 as against 2.75% during FY14.
- ✓ Capital Adequacy Ratio stood at 10.52% as on 31st March 2015 under Basel II norms and at 10.45% under Basel III norms.

3.4 आस्ति गुणवत्ता

पिछले कुछ वर्षों के दौरान आर्थिक मंदी के बीच आस्तियों की गुणवत्ता को बनाए रखना बैंकों के लिए चिंता का प्रमुख विषय बना रहा। आपके बैंक ने एनपीए खातों में जोरदार अनुवर्ती कार्रवाई और वसूली जारी रखी। 31 मार्च 2015 को यथास्थिति आपके बैंक में सकल अग्रिमों में सकल एनपीए 5.46% और निवल अग्रिमों में निवल एनपीए 3.99% रहा। 31 मार्च 2015 को यथास्थिति प्रावधान कवरेज अनुपात 51.50% था।

3.5 लाभांश

बैंक के निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2014-15 हेतु बैंक की प्रदत्त पूंजी के 16.30% की दर से ₹1.63 प्रति शेयर लाभांश की संस्तुति की है।

3.6 कार्यालय एवं शाखाएं

बैंक की 3107 घरेलू शाखाएं एवं हांगकांग में एक विदेशी शाखा है। 3107 घरेलू शाखाओं में से 1257 ग्रामीण, 689 अर्ध-शहरी, 636 शहरी एवं 525 महानगरीय शाखाएं हैं। वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान कुल 310 नई शाखाएँ खोली गईं, जिनमें से 126 ग्रामीण, 97 अर्ध-शहरी, 61 शहरी एवं 26 महानगरीय केन्द्रों में हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक रहित केन्द्रों में 82 शाखाएं खोली गईं हैं।

3.7 खुदरा ऋण

31 मार्च, 2015 को यथास्थिति आपके बैंक का खुदरा ऋण पोर्टफोलियो एक वर्ष पूर्व के ₹19308 करोड़ के सापेक्ष ₹22041 करोड़ था, इस प्रकार वर्ष-दर-वर्ष 14.15% की वृद्धि दर्ज की गई। कुल रिटेल क्रेडिट पोर्टफोलियो बैंक के सकल ऋण का 14% (लगभग) बनता है। रिटेल ऋण के अंतर्गत गृह ऋण प्रमुख घटक रहा जिसमें 25% की गति से वृद्धि हुई है, जबकि स्वर्ण ऋण, एक प्रमुख महत्वपूर्ण क्षेत्र, में 53% की प्रभावी वृद्धि देखी गई। साथ ही, स्वर्ण ऋण योजना को और अधिक ग्राहकोन्मुखी बनाने हेतु इसमें संशोधन कर न्यूनतम ऋण सीमा को घटा कर ₹25000 (व्यवसाय प्रयोजन हेतु) किया गया है और बुलेट भुगतान विकल्प हेतु इसकी सीमा को बढ़ा कर ₹3 लाख किया गया है।

इससे आगे बढ़ते हुए, बैंक का रिटेल ऋण पोर्टफोलियो में 20% की वृद्धि करने का विचार है। साथ ही, गृह ऋण, स्वर्ण आदि जैसे निम्न पूंजी आवश्यकता वाले ऋणों पर प्रमुखता से बल दिया जाएगा। बैंक ने अपने मौजूदा 47 सीआरबीबी के अतिरिक्त, विभिन्न केन्द्रों में शीघ्र ही 9 अतिरिक्त सीआरबीबी खोलने का निर्णय लिया है।

3.8 प्राथमिकता क्षेत्र

- ✓ बैंक का प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम 31मार्च, 2014 को यथास्थिति ₹47741.19 करोड़ से बढ़ कर 31मार्च, 2015 को यथास्थिति ₹53909.66 करोड़ हो गया और इस प्रकार इसने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 12.92% की वृद्धि दर्ज की। मार्च 15 को यथास्थिति यह एएनबीसी का 39.56% बनता है।
- ✓ कृषि ऋण पिछले वर्ष के ₹21923.87 करोड़ से बढ़ कर 31मार्च, 2015 को यथास्थिति ₹24679.42 करोड़ हो गया और इस प्रकार इसने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 12.57% की वृद्धि दर्ज की।

3.9 कारपोरेट सामाजिक दायित्व

बैंक वर्षों से वंचित एवं कमजोर वर्गों के सामाजिक-आर्थिक विकास के माध्यम से समुदाय के सशक्तिकरण में सक्रिय रूप से कार्यरत है। साथ ही, आपके बैंक के सभी अग्रणी जिलों में से प्रत्येक जिले में कम से कम

3.4 Asset Quality

The primary concern for the banks during the past couple of years was to maintain asset quality amidst economic slowdown. Your Bank continued vigorous follow-up and recovery of NPA accounts. The Gross NPA to Gross Advances of your Bank stood at 5.46% and Net NPA to Net Advances stood at 3.99% as on 31st March 2015. The Provision Coverage Ratio was at 51.50% as on 31st March 2015.

3.5 Dividend

The Board of Directors of your the Bank has recommended a dividend of ₹1.63 per share i.e. @16.30% of paid up capital of Bank for the financial year 2014-15.

3.6 Offices & Branches

The Bank is having 3107 domestic branches and one overseas branch at Hong Kong. Out of 3107 domestic branches, 1257 are at Rural, 689 at Semi-urban, 636 at Urban and 525 at Metropolitan Centre. A total of 310 new branches have been opened during the financial year 2014-15, out of which 126 are at Rural, 97 at Semi Urban, 61 at Urban and 26 at Metro centers. Further, 82 branches have been opened at Unbanked centers.

3.7 Retail Credit

Your Bank's retail credit portfolio stood at ₹22041 Crore as on 31st March 2015 as against ₹19308 Crore a year ago, thereby registering a Y-o-Y growth of 14.15%. Total Retail Credit portfolio constitutes 14% (approx) of the Gross Credit of the Bank. Housing Loan, being the major constituent under Retail Credit grew at a pace of 25% while Gold Loan, a major thrust area, showed an impressive growth of 53%. Also, Gold Loan Scheme has been modified to make it more customer-oriented by reducing minimum loan limit to ₹25000/- (for business purpose) and enhancing limit to ₹3 Lac for bullet payment option.

Going forward, the Bank is looking at a growth of 20% in the retail credit portfolio. Also, major thrust on loans having low capital requirement like housing loan, gold loan, etc will be given. The Bank has also decided to open additional 9 CRBBs at different centres shortly in addition to its existing 47 CRBBs.

3.8 Priority Sector

- ✓ Priority sector advances of the Bank increased from ₹47741.19 Crore as on 31st March 2014 to ₹53909.66 Crore as on 31st March 2015, registering Y-O-Y growth of 12.92%. it constitutes 39.56% of Adjusted Net Bank Credit as on Mar'15.
- ✓ Agriculture Credit reached a level of ₹24679.42 Crore as on 31st March 2015 from ₹21923.87 Crore last year, registering an absolute Y-O-Y growth of 12.57%.

3.9 Corporate Social Responsibility

The Bank over the years has been actively engaged in empowering the community through socio-economic development of underprivileged and weaker sections. Also,

एक आरसेटी है। इन 21 आरसेटी ने 14347 बेरोजगार युवाओं को 511 कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किए हैं जिनमें से 2014-15 के दौरान 9650 युवाओं ने बैंक वित्त की सहायता से अपना खुद का उद्यम चालू करने हेतु स्वयं को स्थापित कर लिया है। वित्तीय समावेशन में तेजी लाने के उद्देश्य से आपके बैंक ने संपूर्ण भारत में 18 वित्तीय साक्षरता केन्द्र (एफएलसी) स्थापित किए हैं और ये वित्तीय साक्षरता के संवर्धन में सक्रियता से कार्यरत हैं।

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान, आपके बैंक ने 21आरसेटी और 18 एफएलसी को ₹854.51 लाख की रकम दान में दी है। हमने बाल कन्या को छात्रवृत्ति दी है और अग्रणी जिलों के सरकारी स्कूलों में इलेक्ट्रिक पंखे प्रदान करने की योजना भी शुरु की है।

3.10 वित्तीय समावेशन (एफआई)

आपका बैंक वित्तीय समावेशन पहलों के कार्यान्वयन हेतु प्रतिबद्ध बना रहा। इसने वित्तीय समावेशन के अंतर्गत निर्धारित समस्त वार्षिक लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। आपके बैंक ने 31 मार्च, 2015 को यथास्थिति 225 शाखाओं के माध्यम से और 4355 बैंक मित्रों के अभियोजन से सभी आबंटित 4580 एसएसए को पूर्ण रूप से कवर किया है।

3.11 यथास्थिति 31.03.2015 को पीएमजेडीवाई के अंतर्गत प्रगति

- ✓ **'प्रधानमंत्री जनधन योजना'** के अंतर्गत सभी परिवारों को शामिल करने के वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय और भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुपालन में आपके बैंक ने एक कार्य योजना तैयार की है जिसे मिशन के रूप में कार्यान्वित किया जा रहा है। पीएमजेडीवाई के अंतर्गत कुल 27.69 लाख खाते खोले गए जिनमें 31.03.2015 को यथास्थिति ₹114.96 करोड़ की राशि बकाया है।

- ✓ आबंटित गांवों में सामूहिक खाता खोलने के अभियान/वित्तीय साक्षरता शिविर लगाए गए हैं जिससे कवर न किए गए निवासियों/परिवारों का कवरेज और पीएमजेडीवाई के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु अब तक खोले गए खातों में नियमित लेनदेन सुनिश्चित किया जा सके।

- ✓ एलपीजी आईडी के सापेक्ष खाता संख्या की सीडिंग और एलपीजी में डीबीटी हेतु आधार संख्या की सीडिंग की दोनो पद्धतियों को हमारे बैंक द्वारा कार्यान्वित किया गया है और एनपीसीआई से जांचा गया है।

3.12 विदेशों में उपस्थिति

बैंक की हांगकांग में डीलिंग रूम सहित एक विदेशी शाखा है। हांगकांग शाखा का व्यवसाय 31.03.2014 को यथास्थिति ₹7,590 करोड़ के सापेक्ष 31.03.2015 को यथास्थिति बढ़कर ₹10,420 करोड़ हो गया। हांगकांग शाखा ने 2014-15 में ₹106.91 करोड़ का परिचालनगत लाभ और ₹17 करोड़ का निवल लाभ अर्जित किया है। वित्तीय वर्ष 2015 में चीन के शेन्झेन में स्थित प्रतिनिधि कार्यालय बंद कर दिया गया है।

3.13 नेटवर्क और सुपुर्दगी चैनल

- ✓ वर्ष 2014-15 के दौरान आपके बैंक ने 160 शाखाओं में ई-लाबी, 48 शाखाओं में कैश डिपाजिट कियोस्क, 4 शाखाओं में पासबुक प्रिंटिंग कियोस्क एवं 93 शाखाओं में पासबुक प्रिंटिंग कियोस्क एवं कैश डिपाजिट कियोस्क स्थापित किए हैं।

all the lead districts of your Bank have at least one RSETI each. These 21 RSETIs have imparted 511 skill development trainings to 14347 unemployed youth, out of which 9650 are settled during 2014-15 for starting their own entrepreneurship ventures. In order to speed up financial inclusion, your Bank has established 18 Financial literacy Centres (FLCs) across India and they are actively engaged in promoting financial literacy.

During the financial year 2014-15, your Bank has extended donations amounting to ₹ 854.51 lakh to 21 RSETIs & 18 FLCs. We have also effected scholarship for girl child and scheme for providing electric fans in govt. schools in lead districts.

3.10 Financial Inclusion (FI)

Your Bank remains committed to implementation of Financial Inclusion initiatives. It has successfully achieved all annual targets set under FI. Your Bank has achieved full coverage of the allotted 4580 SSAs which has been completed through 225 Branches and deployment of 4355 Bank Mitras as on 31st March 2015.

3.11 Progress under PMJDY as on 31.03.2015

- ✓ In compliance of the directives of the Department of Financial Services, Ministry of Finance & Government of India for coverage of all the households of the country under 'Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana' (PMJDY), your Bank has prepared Action Plan which is under implementation in Mission Mode. A total of 27.69 lacs accounts has been opened under PMJDY having outstanding balance of ₹114.96 crore as on 31st March 2015.

- ✓ Mass Account Opening Drive/Financial Literacy Camp has been under taken in the allotted villages to ensure coverage of uncovered residents/Households and regular usages of their accounts opened so far to get benefits under PMJDY Scheme.

- ✓ Both the methods for seeding of Account numbers against LPG ID and Aadhaar Number for DBT in LPG have been implemented by our Bank and tested with NPCI.

3.12 Overseas presence

The Bank is having one overseas branch with a dealing room at Hong Kong. The Business of Hong Kong has increased from ₹7,590 crore as on 31.03.2014 to ₹10,420 crore as on 31.03.2015. The Hong Kong branch has earned operating profit of ₹106.91 crore and net profit of ₹17 crore in 2014-15. The representative office in Shenzhen in China has been closed in FY 15.

3.13 Network & Delivery Channels

- ✓ Your Bank has installed e-lobbies at 160 branches, Cash Deposit Kiosks at 48 branches, Pass Book Printing Kiosks in 4 branches and Pass Book Printing Kiosks alongwith Cash Deposit Kiosks in 93 branches during the year 2014-15.

- ✔ आपके बैंक का 2015-16 के दौरान महानगरीय केन्द्रों पर संपूर्ण भारत आधार पर 5 ई-लाबी खोलने का प्रस्ताव है। 10 अन्य आफसाइट लाबियां चरणबद्ध रूप से प्रमुख स्थानों पर स्थापित की जाएंगी।
- ✔ बैंक ने वित्तीय वर्ष 2014 और 15 में 269 एटीएम संस्थापित किए हैं और 31.03.2015 को यथास्थिति कुल एटीएम/सीडी 1170 हैं।
- ✔ बैंक ने सभी तीनों ग्रिड अर्थात नारदर्न, वेस्टर्न, सदर्न के अंतर्गत पूरे भारत को कवर करते हुए सभी एमआईसीआर लोकेशनों में सीटीएस को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है।
- ✔ बैंक ने मोबाइल बैंकिंग हेतु यूएसएसडी (अनस्ट्रक्चर्ड सप्लीमेंटरी सर्विस डाटा) को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है।
- ✔ हमारे बैंक के रुपे कार्डों पर एनपीसीआई द्वारा प्रमाणित ई-कामर्स सुविधा को भी कार्यान्वित किया गया है।

3.14 नई पहल

- ✔ रिटेल क्रेडिट पोर्टफोलियो को बढ़ावा देने हेतु दो नए उत्पाद अर्थात "आल बैंक क्रेडिट लायल्टी बेनिफिट स्कीम" और "आल बैंक न्यू सरल लोन स्कीम" शुरु की गई।
- ✔ बैंक ने छह विभिन्न योजनाओं अर्थात मरम्मत और जीर्णोद्धार सहित गृह ऋण, कार ऋण, दुपहिया वाहन ऋण, शिक्षा ऋण, सरल ऋण और एप्लीकेशन मनी फाइनेंसिंग में रियायती दरों पर बीएसएनएल के कर्मचारियों को रिटेल ऋण प्रदान करने हेतु भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

3.15 मानव संसाधन विकास

बैंक ने अपनी आवश्यकता आधारित भर्ती कार्यक्रम का अनुसरण किया और वर्ष 2014-15 के दौरान बैंक ने कुल 1264 कर्मचारियों की भर्ती की जिसमें 494 अधिकारी, 343 लिपिक और 427 अधीनस्थ स्टाफ है। 31.03.2015 को यथास्थिति कार्यबल की औसत आयु 40.9 वर्ष है जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में निम्नतम में से एक है।

3.16 पुरस्कार एवं प्रशस्तियां

- ✔ बैंक में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में सराहनीय कार्यनिष्पादन करने के लिए आपके बैंक को वर्ष 2012-13 हेतु गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार' के अंतर्गत 14 सितम्बर, 2014 को 'द्वितीय पुरस्कार' प्रदान किया गया है।
- ✔ आपके बैंक को वर्ष 2012-13 हेतु 'रिजर्व बैंक राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता' के तहत 13 नवम्बर, 2014 को भारतीय रिजर्व बैंक के केन्द्रीय कार्यालय, मुम्बई आयोजित एक भव्य समारोह में 'सांत्वना पुरस्कार' प्रदान किया गया।
- ✔ आपके बैंक के मंडलीय कार्यालय, पटना को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वी क्षेत्र) द्वारा 18.02.2015 को 'प्रथम पुरस्कार' प्रदान किया गया।

- ✔ Your Bank proposes to install 5 e-lobbies at off site locations during 2015-16 in metro centres on pan INDIA basis. Another 10 off site e-Lobbies will be set up in phases at prime locations.
- ✔ The Bank has deployed 269 ATM in FY-2014 &15 and total ATM/CD is 1170 as on 31.03.2015.
- ✔ Bank has successfully implemented CTS at all MICR locations under all the three grids viz. Northern, Western & Southern covering pan India.
- ✔ Bank has successfully implemented USSD (Unstructured Supplementary Service Data) facility of Mobile banking.
- ✔ The E-Commerce facility on Rupay Cards of our Bank certified by NPCI has also been implemented.

3.14 New initiatives

- ✔ Two new products, viz., "All Bank Credit Loyalty Benefit Scheme" and "All Bank New Saral Loan Scheme" have been launched to boost the retail credit portfolio.
- ✔ The Bank has also signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Bharat Sanchar Nigam Limited (BSNL) for extending Retail Loans to the employees of BSNL at concessional rates in six different schemes viz., housing, car, two-wheeler, educational, Saral and Application Money Financing.

3.15 Human resource development

Your Bank has adhered to its need based recruitment programme and has recruited 1264 employees during the year 2014-15, comprising of 494 officers, 343 clerks and 427 subordinate staff. The average age of workforce at 40.9 years as on 31.03.2015, was one of the lowest in the public sector banks.

3.16 Awards & Accolades

- ✔ Your Bank has been awarded "Second Prize" under prestigious "Indira Gandhi Rajbhasha Puraskar" for the year 2012-13 from Ministry of Home affairs, Government of India on 14.09.2014 for commendable performance in implementing the Official Language policy in the Bank.
- ✔ Your Bank was awarded "Consolation Prize" under "Reserve Bank Rajbhasha Shield Competition" for the year 2012-13 on 13.11.2014 in a grand ceremony held at Mumbai in Central Office of the Reserve Bank of India.
- ✔ Your Bank's Patna Zonal Office has been awarded "First Prize" by the Regional Implementation Office (Eastern Region) of Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Govt. of India on 18.02.2015.

4. आभार

मैं वर्ष के दौरान बोर्ड और बोर्ड से पदत्याग करने वाले निदेशकों द्वारा किए गए बहुमूल्य योगदान हेतु आभार व्यक्त करना चाहता हूं। बैंक भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक बोर्ड को उनके अमूल्य मार्गदर्शन और सतत समर्थन हेतु उनके प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित करता है। मैं अपने व्यावसायिक सहयोगियों, ग्राहकों और शेयरधारकों के प्रति भी हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिनकी आस्था और विश्वास के बिना बैंक वहां तक नहीं पहुंच पाता जहां यह आज है और साथ ही, बैंक के प्रतिबद्ध स्टाफ सदस्यों को इस महान संस्था की सेवा हेतु उनके अथक प्रयासों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं बैंक की ओर से और व्यक्तिगत रूप से इस अवसर पर सभी हितधारकों को धन्यवाद देना चाहता हूँ और उनसे सतत संरक्षण, मार्गदर्शन और समर्थन की अपेक्षा करता हूँ। हम आपसे सतत सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

धन्यवाद

आपका

(राकेश सेठी)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

22 मई, 2015

4. Acknowledgements

I wish to place on record the valuable contributions made by the Board and the Directors of the Board who demitted office during the year. The Bank is also grateful to the Government of India, the Reserve Bank of India and the Board for their invaluable guidance and unstinted support. I also wish to extend my sincere gratitude to our business associates, customers and shareholders without whose faith and trust, the Bank would not have reached where it is today and also, to the committed staff members of the Bank for their tireless efforts in serving this great institution.

On behalf of the Bank and on my personal behalf, I take this opportunity to thank all the stakeholders and look forward to their continued patronage, guidance and support. We look forward to your continued association.

Thank you

Yours sincerely

(Rakesh Sethi)

Chairman & Managing Director

22nd May, 2015

इलाहाबाद बैंक

निदेशकों की रिपोर्ट

1. वित्तीय वर्ष 14-15 में आर्थिक परिदृश्य और वित्तीय वर्ष 15-16 हेतु संभावनाएं

1.1 भारतीय अर्थव्यवस्था का विहंगावलोकन एवं दृष्टिकोण

पिछले दो वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था आर्थिक मंदी, चिरस्थायी मुद्रास्फीति, बढ़ते राजकोषीय घाटे, मंद घरेलू मांग, विदेशी खाता असंतुलन और रुपए की अस्थिरता से संबंधित असुरक्षा से प्रमुखतः मुक्त रही। नए प्राक्कलन के अनुसार वित्तीय वर्ष 15 की तीसरी तिमाही में कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में 0.4% की गिरावट आई है। इसी तिमाही हेतु औद्योगिक क्षेत्र में 3.9% की वृद्धि दर्ज की गई और सेवा क्षेत्र में 13.5% की दो अंकों की वृद्धि देखी गई।

नई सीरीज (आधार वर्ष 2012) के अनुसार मार्च 15 हेतु खुदरा मुद्रास्फीति पिछले वर्ष के उसी माह के 8.25% की तुलना में 5.17% रही। खाद्य मुद्रास्फीति में भी पर्याप्त कमी आई है और यह वर्ष-दर-वर्ष मार्च'14 के 8.64% से घटकर मार्च 15 में 6.14% रह गई।

चालू खाता और इसके वित्तपोषण हेतु संभावनाएं अनुकूल हैं। भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में 2.0% से संकुचित होकर वित्तीय वर्ष 15 की तीसरी तिमाही में यूएस$8.2 बिलियन अथवा जीडीपी का 1.6% रह गया; तथापि, यह वित्तीय वर्ष 14 की तीसरी तिमाही के 0.9% से लगभग दुगना है।

वित्तीय वर्ष 15 की अवधि हेतु संचयी औद्योगिक वृद्धि एक वर्ष पूर्व इन महीने हेतु (-) 0.1% की तुलना में 2.8% रही। उपभोक्ता वस्तुओं ने औद्योगिक गतिविधियों को बाधित करना जारी रखा क्योंकि टिकाऊ वस्तुओं की मांग में मंदी बनी रही जिससे इनके उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। वित्तीय वर्ष 15 के दौरान अभी तक विनिर्माण क्षेत्र में सुधार के संकेत नजर आए हैं और इसमें वित्तीय वर्ष 14 में 0.8% के संकुचन की तुलना में 2.2% की वृद्धि दर्ज हुई है।

वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान भारत का निर्यात यूएस$286.58 बिलियन रहा और इस प्रकार इसने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 0.88% की वृद्धि दर्ज की। इसी अवधि के दौरान निर्यात भी 0.71% बढ़ कर यूएस$411.80 बिलियन रहा। वित्तीय वर्ष 15 में व्यापार संतुलन एक वर्ष पूर्व की सदृश्य अवधि के यूएस$124.84 की तुलना में यूएस$125.22 रहा।

हाल ही में जारी आंकड़े इस तथ्य की ओर संकेत करते हैं कि वृद्धि की पुनः शुरुआत हो गई है। यदि तेल की कीमतें एक वर्ष पूर्व की तरह निम्नतर बनी रहीं और शेष विश्व से निधियों का पर्याप्त अंतर्प्रवाह हुआ और सुधार की पहलों के संभावित प्रभाव हुए तो यह समग्र समष्टि आर्थिक स्थिति के लिए काफी अच्छा होगा। समष्टि आर्थिक स्थिरता और सरकार की सुधारवादी दृढ़ता और देश में उन्नत व्यवसाय सेगमेंट से उत्साहित होकर आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं ने वर्ष 2015 और उसके आगे भारत हेतु आशावादी वृद्धि दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है।

भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण ने वित्तीय वर्ष 15 में घरेलू अर्थव्यवस्था में 7.5% वृद्धि का अनुमान लगाया है। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनामिक आउटलुक के अनुसार 2015 में भारत की जीडीपी वृद्धि सुदृढ़ होकर

ALLAHABAD BANK

DIRECTORS' REPORT

1. ECONOMIC SCENE IN FY14-15 & OUTLOOK FOR FY15-16

1.1 OVERVIEW OF INDIAN ECONOMY & OUTLOOK

The Indian economy stands mainly relieved of the vulnerabilities associated with an economic slowdown, persistent inflation, elevated fiscal deficit, slackening domestic demand, external account imbalances and volatility of the rupee in the last two years. As per the new estimate, though agriculture and allied activities fell by 0.4% in Q3FY15, for the same quarter, industry sector registered a growth of 3.9% and services sector witnessed double-digit growth of 13.5%.

As per the new series (base year 2012), retail inflation for Mar'15 was lower at 5.17% as compared to 8.25% for the same month a year ago. Food inflation also came down substantially Y-o-Y from 8.64% in Mar'14 to 6.14% in Mar'15.

The outlook is favourable for the current account and it's financing. India's current account deficit (CAD) narrowed to US$8.2 billion or 1.6% of GDP in Q3FY15 from 2.0% in Q2FY15; however, it almost doubled from 0.9% in Q3FY14.

The cumulative industrial growth for the period FY15 stood at 2.8% as compared to (-) 0.1% for the same period a year ago. Consumer goods continued to drag the industrial activity as demand for durable goods remained muted, thereby, impacting its output negatively. Manufacturing sector has shown signs of recovery during FY15 and registered a growth of 2.2% as against a contraction of 0.8% in FY14.

India's exports stood at US$ 286.58 billion during FY15, thereby registering a Y-o-Y growth of 0.88%. Imports also increased by 0.71% to US$ 411.80 billion during the same period. Trade balance stood at US$125.22 in FY15 as compared to US$124.84 in the corresponding period a year ago.

The recently released data points to the fact that the revival of growth has been initiated. If oil prices continue to remain lower than a year ago along with plentiful inflow of funds from the rest of the world and the potential impact of the reform initiatives, then these will augur well for the overall macroeconomic situation. Encouraged by macro-economic stability and the reformist intent and actions of the government, together with improved business sentiments in the country, institutions like IMF and the World Bank have presented an optimistic growth outlook for India for the year 2015 and beyond.

The Indian Economic Survey has projected the domestic economy to grow by 7.5% in FY15. According to IMF's World Economic Outlook 2015, India's GDP growth is expected to